

ये अव्यक्त इशारे

महान बनने के लिए मधुरता और नम्रता का गुण धारण करो

2-04-2026

मधुरता का गुण जीवन में तब आयेगा जब अपनी वा दूसरे की बीती को न देख अन्दर के संस्कारों को सरल व नम्रचित बनायेंगे। सरलचित आत्मा का गुण है ही मधुरता। उनके नयनों से मधुरता, मुख से मधुरता और चलन से मधुरता प्रत्यक्ष रूप में देखने में आती है। मधुरता और नम्रता, इन दो विशेष धारणाओं से सदा विश्व कल्याणकारी, महादानी, वरदानी बन जायेंगे और सहज ही स्नेह का सबूत दे सकेंगे।

**Imbibe the virtues of sweetness and humility
to become great.**

You will imbibe the virtue of sweetness in your life when you don't see anything of the past about yourself or others and you make your sanskars easy. The virtue of easy-natured souls is sweetness. Sweetness is visible in their eyes, their words and their behaviour. With the two virtues of sweetness and humility, you can become a constant world benefactor, a great donor and a bestower of blessings and easily give the proof of your love.